

हस्तशिल्प उद्योग ने परम्परा व पहचान का संरक्षण किया है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में पश्चिम राजस्थान हस्तशिल्प उत्सव-2026 का उद्घाटन किया

जोधपुर, 26 दिसम्बर (कासं)। शुक्रवार को जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव–2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हस्तशिल्प उद्योग ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण का माध्यम है तथा इसने परंपरा और पहचान का संरक्षण किया है। यह श्रमिकों,

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हस्तशिल्पियों को सहायता देने के लिए 1,197 दस्तकार परिचय पत्र जारी किए। राज्य सरकार बुनकर पुरस्कार योजना, बाज़ार सहायता योजना व चर्म प्रशिक्षण योजना से हस्तशिल्पियों को लाभ पहुंचा रही है।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पंच गौरव प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

दस्तकारों को परिचय पत्र जारी किए हैं। राज्य सरकार द्वारा बुनकर पुरस्कार योजना, बाजार सहायता योजना एवं चर्म प्रशिक्षण योजना से विभिन्न हस्तशिल्पियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। साथ ही, माटी कला कामगारों को निःशुल्क इलेक्ट्रिक चाक व मिट्टी गूंथने की मशीनें भी दी गई हैं। पी.एम. विश्वकर्मा योजना के तहत, कार्पेंटर, मूर्तिकार, कुम्हार, राजमिस्री सहित, 18 ट्रेड्स के

दस्तकारों को 5 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के साथ 2 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निर्यात को 1.50 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने के लिए राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी अधिसूचित की गई। एक जिला–एक उत्पाद पहल के तहत, राजस्थान ओडीओपी नीति तथा राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025

को फरवरी 2025 को लागू किया गया। शर्मा ने कहा कि हमने राज्य के विकास को रोजमैप बनाकर कार्य किया है। पानी–बिजली की प्राथमिकता को सर्वोपरि रखते हुए इस क्षेत्र में ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल,उद्योग राज्यमंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई ने भी संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लघु उद्योग भारती स्मारिका का विमोचन भी किया।

अमेरिका का नाइजीरिया के आईएस ठिकानों पर अटैक

वाशिंगटन, 26 दिसंबर। अमेरिका ने नाइजीरिया के उत्तर–पश्चिमी हिस्से में इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकवादियों के खिलाफ हवाई हमले किये और उनकी शिविरों को निशाना बनाया है।यह जानकारी अमेरिका के सैन्य अधिकारियों ने दी है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ये हमले सोकोतो राज्य में नाइजर के साथ लगी नाइजीरिया की सीमा के पास समूह द्वारा संचालित ठिकानों पर किए गये। अधिकारियों ने बताया कि शुष्कताी आकलन से पता चला है कि कई आतंकवादी मारे गए हैं, हालांकि नुकसान की पूरी जानकारी का अभी भी मूल्यांकन किया जा रहा है।

2० बहादुर बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नयी दिल्ली, 26 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न क्षेत्रों में 18 राज्यों के 2० साहसी बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया है।

मुर्मू ने शुक्रवार को यहां विज्ञान भवन में एक समारोह में इन बच्चों के उनके असाधारण कार्यों केलिएप्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति ने पुरस्कार पाने वाले बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, अपने समुदायों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने हमीद जताई कि सम्मान पाने वाले इन

दिल्ली में 13 राजस्व जिले बने

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। दिल्ली सरकार ने राजधानी के प्रशासनिक नक्शे को नए सिरे से गढ़ ते हुए 13 राजस्व जिलों की व्यवस्था लागू कर दी है। इससे राजस्व जिलों और नगर निगम जोन की सीमाएं एक समान हो गई हैं, जो अब तक प्रशासनिक कामकाज में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई थी। सरकार का दावा है कि इस फैसले से शासन अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनता के करीब होगा।

राजस्व जिलों और नगर निगम जोन की अलग–अलग सीमाओं के कारण अधिकारियों और आम नागरिकों दोनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब सीमाएं एक जैसी होने से अधिकार क्षेत्र को लेकर भ्रम खत्म होगा और फाइलों के चक्कर भी कम होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह समस्या दशकों से लंबित थी, जिसे उनकी सरकार ने केवल 1० महीनों में सुलझा दिया। भाजपा सरकार ने जून महीने में 11 नगर निगम जोन की जगह 13 राजस्व जिले बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद इस प्रस्ताव पर लगातार काम चलता रहा। 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक बुलाकर इसे अंतिम मंजूरी दी।

उपराज्यपाल वी के सक्सेना की सहमति के बाद अब इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। राजस्व जिलों और नगर निगम जोन की अलग–अलग सीमाओं के कारण अधिकारियों और आम नागरिकों दोनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब सीमाएं एक जैसी होने से अधिकार क्षेत्र को लेकर भ्रम खत्म होगा और फाइलों के चक्कर भी कम होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह समस्या दशकों से लंबित थी, जिसे उनकी सरकार ने केवल 10 महीनों में सुलझा दिया। भाजपा सरकार ने जून महीने में 11 नगर निगम जोन की जगह 13 राजस्व जिले बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद इस प्रस्ताव पर लगातार काम चलता रहा। 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक बुलाकर इसे अंतिम मंजूरी दी। उपराज्यपाल वी के सक्सेना की सहमति के बाद अब इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

जाँच समिति ने इंडिगो संकट पर रिपोर्ट सौंपी

नयी दिल्ली, 26 दिसंबर। इंडिगो संकट की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी।

सरकार ने दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो की हजारों उड़ानें रद्द होने के बाद जांच के लिए 05 दिसंबर को एक समिति का गठन किया था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) में संयुक्त महानिदेशक संजय के. ब्राम्हणे की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय समिति ने शुक्रवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। इस समिति के अन्य सदस्यों में डीजीसीए के उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ फ्लाइट ऑपरेशन्स इंस्पेक्टर (एफओआई) कैप्टन कपिल मांगलिक और एफओआई लोकेश रामपाल शामिल थे।

समिति को इंडिगो के परिचालन में बड़े पैमाने पर हुए व्यवधान के कारणों की जांच की जिम्मेदारी दी गयी थी। साथ ही उसे भविष्य में इस तरह के संकट को रोकने के उपाय सुझाने के लिए भी कहा गया था। समिति को रिपोर्ट सौंपने के लिए 15 दिन का समय दिया गया था। समिति ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

कुलदीप सेंगर को जमानत देने के खिलाफ सीबीआई सुप्रीम कोर्ट पहुंची

सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पिटीशन दायर की है

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। सीबीआई ने उत्राव दुष्कर्म मामले के दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।
केंद्रीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार (16 दिसंबर) को सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पिटीशन दायर की का कहना है कि सेंगर को जमानत मिलने से न्याय प्रक्रिया और पीड़िता की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट अब इस याचिका पर सुनवाई करेगा।

इससे पहले शुक्रवार को उत्राव दुष्कर्म पीड़िता की मां सहित महिला कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों से जुड़े कई लोगों ने दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक को कुलदीप सेंगर की सजा निलंबित किए

उत्तर प्रदेश एसआईआर में 2.89 करोड़ वोटर्स के नाम कटेंगे

चुनाव आयोग ने कहा 31 दिसम्बर को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की जाएगी

- जिन 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटेंगे उनमें से 1.26 करोड़ अपनी जगह पर नहीं मिले, 46 लाख मृत पाए गए, 23.37 लाख डुप्लीकेट मतदाता मिले, 83.73 लाख अनुपस्थित रहे, वहीं 9.97 लाख अन्य श्रेणियों के वोटर्स हैं।**

जांच–पड़ताल के बाद 28 फरवरी 2026 को फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

चुनाव आयोग के मुताबिक, यूपी में मैपिंग का काम भी पूरा कर लिया गया है, यानी साल 2003 की वोटर लिस्ट से वर्तमान वोटर लिस्ट का मिलान किया गया, जिसमें लगभग 91 प्रतिशत लोगों का डेटा मिलान हो चुका है। ऐसे वोटर्स के नाम उनके रिलेटिव्स जैसे मां–बाप, दादा–दादी या नाना–नानी से मिलाया गया है।

बाकी 9 प्रतिशत यानी, 1.11 करोड़ वोटर्स को चुनाव आयोग की तरफ से नोटिस भेजा जाएगा। जिन्हें अब

अपनी पहचान साबित करने के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट चुनाव आयोग को देने होंगे।

उत्तर प्रदेश में फिलहाल 11 लाख से ज्यादा लोग वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म भर चुके हैं। जिन लोगों की उम्र 1 जनवरी 2०26 को 18 साल पूरी हो रही है, वो भी फॉर्म भर सकते हैं। बता दें कि एसआईआर के लिए यूपी के तमाम जिलों में विशेष कैप लगाए गए। मतदान केंद्रों पर बीएलओ को तैनात किया गया था। इसके अलावा सभी पॉलिटिकल पार्टियों के प्रतिनिधि, बीएलए ने एसआईआर गणना फॉर्म को भरवाने में मदद की।

डॉ. मनमोहन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने देश के आर्थिक विकास को जो दिशा दी वह भारत की समृद्धि को मजबूत आधार बन गया है। खड़गे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर डॉ सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा "पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर, हम भारत के राष्ट्र निर्माण में उनके अपार योगदान को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं। एक परिवर्तनकारी नेता के रूप में, उन्होंने देश के आर्थिक पथ को नया रूप दिया और आर्थिक सुधारों के माध्यम से लाखों लोगों के लिए अवसरों का विस्तार किया तथा लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। उन्होंने कहा "डॉ. मनमोहन सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अपने दूरदर्शी नेतृत्व से उन्होंने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त किया। देश के वंचितों और गरीबों के लिए उनके ऐतिहासिक प्रयासों और साहसिक निर्णयों ने भारत को विश्व मंच पर एक नई पहचान दिलाई।" प्रियंका ने कहा "भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व वित्त मंत्री एवं रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ मनमोहन सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमना डॉ सिंह समानता में विश्वास रखने वाले, दृढ़ निश्चयी, साहसी और गरिमापूर्ण व्यक्तित्व की मिसाल थे, जो सच्चे अर्थों में देश की प्रगति के लिए समर्पित रहे।"

लखनऊ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आलोचना दो तर्कों पर आधारित है। पहला, जैसा कि कांग्रेस नेता उदित राज और अन्य विपक्षी नेताओं ने कहा है, भाजपा ने तीन ब्राह्मण नेताओं को चुना, जिनमें से दो तो इस राज्य के निवासी ही नहीं थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पश्चिम बंगाल से थे, जबकि वाजपेयी भी, हालांकि वे उत्तर प्रदेश को अपनी "कर्मभूमि" मानते थे, संयुक्त मध्य प्रदेश के थे। सोशल मीडिया पर यह सवाल भी गर्मा रहा है: भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याणसिंह की विरासत को क्यों नजरअंदाज किया, जिनके कार्यकाल में बाबरी मस्जिद गिराई गई थी? संयोग की बात है कि जिस क्षेत्र में यह स्मारक स्थापित किया गया है, उसके चारों तरफ बसे गाँवों में लोघ जाति का बाहुल्य है तथा कल्याण सिंह भी इसी जाति से थे। एक अन्य चर्चित सवाल यह है: एल.के. आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी, जिन्हें अयोध्या आंदोलन का शिल्पी माना जाता है, इस कार्यक्रम में क्यों नहीं बुलाए गए?

केरल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
अधिक है। सीपीआईएम के आरपी शिवाजी को 29 वोट मिले और कांग्रेस नेतृत्व वाली यूडीएफ के केएस सबरीनाथन को 19 वोट मिले। एक पार्श्व, एक स्वतंत्र विधायक, ने मतदान में भाग नहीं लिया। एक जीए एक अन्य स्वतंत्र पार्श्व, पी. राधाकृष्णन के समर्थन से संभव हुई। भाजपा ने दिसंबर 9 के चुनाव में 50 सीटें जीती थीं, जो पार्टी के लिए एक रिकॉर्ड सफलता थी।

अजित पवार ने एनसीपी मुंबई चुनाव अभियान में अपनी पार्टी के चेहरे के रूप में पूर्व मंत्री नवाब मलिक का नाम दिया था, जिसे भाजपा ने सख्ती से नकार दिया। भाजपा ने उन्हें माफिया सरगना दाऊद इब्राहीम से कथित संबंधों के आधार पर खारिज किया।

वास्तविक कारण यह था कि अजित पवार की एनसीपी को मुस्लिम और दलित मतदाताओं से जो समर्थन मिलता, वह भाजपा के कट्टर हिंदू आधार को नाजक कर सकता था।

इस बीच, एक अन्य पारिवारिक पुनर्मिलन में शरद पवार खुद को तीसरे पहिये के रूप में पा रहे हैं। ठाकरे बंधु, उद्धव और राज, जो शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के निधन के बाद 20 सालों तक एक–दूसरे से विरोध में रहे थे, मराठी भाषा के विवाद पर एकजुट हो गये और गठबंधन का ऐलान कर दिया।

लेकिन इस समय तक, शरद पवार और कांग्रेस में से कोई भी राज ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ

- कांग्रेस तो अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है और अब सबकी नजर एनसीपी पर है, वैसे एक चर्चा यह भी है कि अपनी क्षमता आंकने के लिए हो सकता है, अजीत पवार अकेले चुनाव लड़ें।**

काम करने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस ने कहा है कि वह बीएसपी चुनाव अपने दम पर लड़ेगी और शरद पवार की एनसीपी को एमवीए के सीट–बंटवारे की बातचीत से बाहर कर दिया गया है। मजेदार बात यह है कि दोनों गठबंधन एनसीपी के दोनो गुटों पर ध्यान जमाये हुए है।

क्या इसका मतलब यह है कि चाचा भतीजा एक हो रहे हैं? या अजित पवार 'अकेले चलने' की योजना बना रहे हैं?

इस बारे में चर्चा हो रही है कि बाद वाला विकल्प संभावित है। सूत्रों ने कहा कि इस चुनाव में हार को एक धक्के के रूप में नहीं देखा जाएगा; विचार यह है कि अजित पवार की एनसीपी की ताकत का आकलन एकल मुकाबले में ही किया जाए।

वर्ष 2024 के राज्य चुनाव में उनकी एनसीपी ने 59 सीटों में से 41 सीटें जीतीं, जो एक शानदार परिणाम था। इससे कुछ माह पहले पार्टी लोसभसा चुनाव में हार गई थी, और केवल चार सीटों में से एक ही जीत पायी

- कांग्रेस तो अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है और अब सबकी नजर एनसीपी पर है, वैसे एक चर्चा यह भी है कि अपनी क्षमता आंकने के लिए हो सकता है, अजीत पवार अकेले चुनाव लड़ें।**

काम करने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस ने कहा है कि वह बीएसपी चुनाव अपने दम पर लड़ेगी और शरद पवार की एनसीपी को एमवीए के सीट–बंटवारे की बातचीत से बाहर कर दिया गया है। मजेदार बात यह है कि दोनों गठबंधन एनसीपी के दोनो गुटों पर ध्यान जमाये हुए है।

क्या इसका मतलब यह है कि चाचा भतीजा एक हो रहे हैं? या अजित पवार 'अकेले चलने' की योजना बना रहे हैं?

इस बारे में चर्चा हो रही है कि बाद वाला विकल्प संभावित है। सूत्रों ने कहा कि इस चुनाव में हार को एक धक्के के रूप में नहीं देखा जाएगा; विचार यह है कि अजित पवार की एनसीपी की ताकत का आकलन एकल मुकाबले में ही किया जाए।

वर्ष 2024 के राज्य चुनाव में उनकी एनसीपी ने 59 सीटों में से 41 सीटें जीतीं, जो एक शानदार परिणाम था। इससे कुछ माह पहले पार्टी लोसभसा चुनाव में हार गई थी, और केवल चार सीटों में से एक ही जीत पायी

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में ये पुरस्कार प्रदान किए**

असाधारण योगदान किये हैं। वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवोचार, विज्ञान तथा तकनीकी, समाज–सेवा और खेल–कूद जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आपकी असाधारण बाल–प्रतिभा का परिचय प्राप्त हुआ है।"

उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पुरस्कार पाने वाले बच्चों ने वीरता,

कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनका कहना था कि सात वर्षीय वाका लक्ष्मी प्रग्निका जैसे प्रतिभाशाली बच्चों के कारण ही भारत विश्व पाटा पर शतरंज की महाशक्ति माना जाता है। अजय राज और मोहम्मद सिदान पी. ने अपनी वीरता और सुझबूझ से दूसरों को न करीब साढ़े सात साल वर्षीय काम किया है। इसी तरह से नौ वर्षीय बेटी व्योमा प्रिया और ग्यारह वर्षीय बहादुर बेटे कमलेश कुमार ने अपने साहस से दूसरों की जान बचाते हुए अपने प्राण

बेगम ज़िया की पार्टी ...

- भारत के लिए अटपटी स्थिति है, क्योंकि, अंतरिम सरकार कट्टरपंथी रुढ़िवादी ताकतों के नियंत्रण में है तथा मोहम्मद युनुस स्वयं कोई स्वतंत्र राजनीतिक निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं तथा सेना भी काफी हद तक कट्टरपंथियों के प्रभाव में है।**

- अंतरिम सरकार, कानून-व्यवस्था या हिंसा पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है, इससे हिन्दू ही नहीं आम जनता भी त्रस्त हैं और अव्यवस्था के कारण, बांग्लादेश अपने टैक्सटाइल के ऑर्डर समय से सप्लाई नहीं कर पा रहा है। टैक्सटाइल निर्यात ही बांग्लादेश की इकॉनमी का आधार हैं। अगर यह आधार डगमगाया तो बांग्लादेश को भारी झटका लग सकता है।**

- पर, भारत पर आंतरिक दबाव है, बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही खुल्लम-खुल्ला हिंसा व लूटपाट के खिलाफ कुछ न कुछ अवश्य करे। कुछ करने के लिए भारत की मजबूरी बढ़ रही है।**

अवामी लीग की चुनाव में भागीदारी का समर्थन किया था, हालांकि बाद में पार्टी का रुख कुछ ठंडा पड़ गया और अवामी लीग के प्रति सख्त विरोध के संदर्भ में पार्टी कुछ हद तक नरम पड़ गई।

मौजूदा परिदृश्य में अंतरिम सरकार पर कट्टरपंथी गुटों का सख्त दबाव है। मोहम्मद युनुस अपने स्तर पर फैसले नहीं ले पा रहे हैं और सेना भी

किसी हद तक कट्टरपंथियों के प्रभाव में दिखाई दे रही है। लेकिन जिस तरह से बांग्लादेश की स्थिति बिगड़ती जा रही है, वह भारत के लिए भी एक कठिन स्थिति बन सकती है। बांग्लादेश में बढ़ती अस्थिरता और अल्पसंख्यकों, खास तौर पर हिंदुओं, की हत्याओं के कारण भारत के लिए इन घटनाक्रमों को पूरी तरह नजरअंदाज

^[1] राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैं न डेड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908